>

Title: Regarding reported drying up of and pollution in river Yamuna.

MADAM SPEAKER: We will take up 'Zero Hour'.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, गंगा जी और यमुना जी को हम गंगा मैया और यमुना मैया कहकर सम्बोधित करते हैं। क्योंकि हमारे लिए ये नदियां नहीं, मां हैं। आप जानती हैं कि हिंदुस्तानी तहजीब को गंगा-जमुनी तहजीब कहा जाता है। हमारे राष्ट्रीय गान में विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा कहकर हम दिन-रात इनकी स्तुति करते हैं। कृष्ण उपासक जब ब्रज क्षेत्र की कल्पना करते हैं तो उसमें उन्हें यमुना कल-कल बहती हुई दिखाई देती है। लेकिन अत्यंत दुख की बात है कि उसी ब्रज क्षेत्र के मथुरा, वृन्दावन में यमुना लगभग सूख गई हैं और दिल्ली में यमुना जी भयंकर रूप से प्रदूषित हो गई है और यही प्रदूषित जल जब मथुरा, वृन्दावन में जाता है तो न आचमन के योग्य रहता है और न स्नान करने के योग्य रहता है। ब्रज क्षेत्र के सभी मंदिरों के ठाकुर जी को इसी प्रदूषित जल से स्नान कराने के लिए पुजारी मजबूर हो गये हैं। हालांकि बहुत बार यह विषय सरकार के नोटिस में लाया गया, बहुत बार आश्वासन दिये गये और एक बड़ी योजना भी बनी, हजारों करोड़ रुपये की योजना यमुना एक्शन प्लान भी बनी। लेकिन कोई नतीजा आज तक नहीं निकला। जैसे कहते हैं कि वही ढाक के तीन पात। इस सबसे आहत और आक्रोशित होकर यमुना मुक्तिकरण पदयात्रा ब्रज क्षेत्र से चली है। यह आज दिल्ली पहुंच रही है। सोनिया जी यहां बैठी हैं। आठ फरवरी को सोनिया जी से वे मिलने के लिए आये थे और मेरे मुताबिक शायद उन्होंने स्वयं बुलवाया था। लेकिन उनके आश्वासन के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई अब तक उस पर नहीं हुई है।

महोदया, ऐसा नहीं है कि सूखी हुई नदियों को सराबोर नहीं किया जा सकता। गुजरात में साबरमती का उदाहरण हमारे सामने है। मध्य प्रदेश में नर्मदा और क्षिप्रा का उदाहरण हमारे सामने है। साबरमती नदी अहमदाबाद में बिल्कुल सूख गई थी। हम जब अहमदाबाद जाते थे तो बिल्कुल दरारें दिखाई पड़ती थीं। लेकिन नर्मदा का जल साबरमती में डालने से साबरमती अब लबालब भरकर चल रही है। अभी एक अभिनव योजना मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री ने क्षिप्रा में नर्मदा नदी को जोड़ने की शुरू की है। एक साल के अंदर वह प्रयास पूरा हो जायेगा और जो सिंहस्थ कुंभ उज्जैन में होने वाला है, हम देखेंगे कि किस तरह से क्षिप्रा नदी भरकर चल रही है। लेकिन क्या कारण है कि न तो यमुना का जल प्रवाह बढ़ रहा है और न उसका प्रदूषण कम हो रहा है। इसलिए मैं आपकी अनुमति से यह विषय यहां उठाना चाहती हूं। मैं यह नहीं चाहती कि जीरो ऑवर में बात हो और खत्म हो जाए। आपने बोलने की अनुमति दी, बहुत विशेष कृपा की। लेकिन हम लोग यह चाहते हैं कि सरकार इस पर उत्तर दे, सरकार इस पर आश्वासन दे। क्योंकि मैं कहना चाहती हूं कि ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। ये हमारी आस्था का प्रतीक है। 1380 वर्ग किलोमीटर का यामुना जी का जो दायरा है, उसमें वह पीने का जल देती हैं। लाखों हैक्टेयर खेती की सिंचाई करते हुए, हमें भोजन देती हैं। इसलिए वे हमारी जीवनदात्री हैं। चाहिए तो यह था कि इस तरह के कर्त्तव्य सरकार स्वयं अपने हाथ में ले। लेकिन जब सामाजिक कार्यकर्त्ता उठ खड़े हुए हैं, देश के नागरिक उन्हें समझा रहे हैं, तब उसके बाद तो सरकार को और भी ज्यादा आगे बढ़ कर इस पर कार्यवाही करनी चाहिए। इसलिए मैं कहना चाहती हूँ कि एक तात्कालिक उपाय है और एक दीर्घकालिक उपाय है। तात्कालिक उपाय है कि सरकार हथिनी कुंड बैराज से तुंत जल छोड़ने का निर्णय दे ताकि यमुना जी का नदी जल प्रवाह बढ़े और उनका प्रदूषण भी थोड़ा कम हो। लेकिन दीर्घकालीन उपाय भी हमें चाहिए। इसलिए मैं आपके माध्यम से आज सरकार से यह कहना चाहती हूँ कि संबंधित मंत्री भी यहां बैठी हैं, जो प्रदूषण मुक्त कर सकती हैं, श्रीमती जयंती नटराजन जी, यूपीए की चेयरपर्सन भी बैठी हैं, जो सबसे शक्तिशाली नेत्री हैं, जो वे कह दें, सरकार में सो हो जाए। अभी हम कह रहे थे, आज हम दोनों एक दूसरे को इशारा कर रहे थे कि जो मंत्री खड़े होते हैं, वे रायबरेली के बारे में कहते हैं। मैं कह रही थी कि विदिशा को कुछ नहीं, सासाराम को नहीं, सब कुछ रायबरेली को ...(व्यवधान)

श्रीमती सोनिया गांधी (रायबरेली): विदिशा को भी बहुत दिया है।

श्रीमती सुषमा स्वराज : अगर यमुना जी रायबरेली से निकल रही होतीं तो ज़रूर उसमें भी प्रदूषण कम हो जाता और जलप्रवाह बढ़ जाता। दिक्कत यह है कि यमुना जी रायबरेली से नहीं बह रही हैं। वे बेचारी ब्रज में, मथुरा-वृंदावन में सूख जा रही हैं। वे वहीं सूख जा रही हैं। ...(व्यवधान) मैं तो ब्रज की बेटी हूँ इसलिए मेरे लिए तो यह व्यक्तिगत रूप से बहुत दुख का कारण है कि यमुना जी सूख गई हैं।

अध्यक्ष जी, मैं आपसे कहना चाहती हूँ कि हमें उत्तर भी चाहिए और आश्वासन भी चाहिए। लेकिन उत्तर ऐसा चाहिए जो उन पदयात्रियों का भी समाधान करे और उत्तर ऐसा भी चाहिए जो सदन में बैठे हम सब का भी समाधान करे। इसलिए मैं चाहती हूँ कि मंत्री महोदय स्वयं खड़े हों और हमें आश्वस्त करें कि तात्कालिक उपाय भी तुंत करेंगे और दीर्घकालिक उपाय भी यमुना जी के बारे में करेंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्री पन्ना लाल पुनिया,

श्री अर्जुन राम मेघवाल एवं

श्री वीरेन्द्र कुमार स्वयं को श्रीमती सुषमा स्वराज के विषय के साथ संबद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: I cannot compel. I think, it is a very important subject. यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अगर आप लोग नोटिस दें तो हम चर्चा करा देंगे।

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Madam, I heard the hon. Leader of the Opposition. I want to assure the House, through you, that the UPA Government takes this issue extremely seriously. This House discussed the entire issue of the pollution of the River Ganga last year. Under your guidance, the entire discussion took place for over three hours. We are aware of the pollution issues of the River Yamuna. I would only point out, in the beginning, that the effort to clean the River Ganga and also the River Yamuna was started by the then Prime Minister Shri Rajiv Gandhi. And after those efforts, after the Ganga Action Plan-I and II, after the Yamuna Action Plan-I, II and III, the efforts have borne fruit to this extent that the water level would have been much worse had those efforts not been taken up. ...(*Interruptions*) I was listening to Shrimati Sushma ji. Please listen to me. I totally agree with Shrimati Sushma ji that today the 22 drains that drain into Delhi in the Yamuna, as it passes through Delhi, has made it a drain. There is no water. Today, water is an issue. First, the river has to flow and the water has to be released. She talked about the release from the Hathni Kund Barrage. This is a political issue where the entire House has to take a call. ...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : पॉलिटिकल इश्यू पर हाऊस क्या करेगा?

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I will tell you. ...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : हरियाणा में आपकी सरकार है, केंद्र में आपकी सरकार है। सदन क्या चाहेगा कि हथिनी कुंड बैराज से पानी ना आए? आपको अपनी हरियाणा सरकार को निर्देशित करना है। ...(व्यवधान) किसी दूसरी पार्टी की सरकार नहीं है। ...(व्यवधान)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I will explain how. I will explain why it is a political issue. Madam, I do not want to take too long. I just want to say this. It is a political issue because water is taken by every State for agriculture. About 90 per cent of the water is used for agriculture. Are people willing to let that water go? So, the water should flow. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्या कर रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उनको बोलने तो दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जगदम्बिका पाल जी, बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: What is happening? No, nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया : जगदम्बिका पाल जी, आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I think the hon. Member has not understood what I was saying. The only way the river can be cleaned is if the water flows. If there is no water flow, it cannot be cleaned because there is no dissolution, it does not dissolve.

Regarding the pollution, Madam, the point sources of pollution, I want to say as a matter of pride for this Government, during the Kumbh Mela we took short-term and medium-term measures to ensure that during the Kumbh the water was clean. And in the same way we will see that there are short-term measures which are employed. We are looking at new and innovative measures like bioremediation. We are looking at measures like interceptors. The problem is, all the money that Sushmaji referred to has been spent by the Central Government in setting up sewage treatment plants but the sewage treatment plants do not work because the State Governments and the urban local bodies have not connected their sewers to the sewage treatment plants; and there is no electricity. ...(*Interruptions*)

Therefore, Madam, we need to look at new and innovative ways. We have to ensure that the sewage treatment plants work at full capacity. We have to also ensure that there is bioremediation and that treated water is not sent back into the dirty drain. All these are being submitted before the Supreme Court today. The Government has taken this up very seriously and we will ensure that we do everything in our power to make sure that the Yamuna is clean. ...(*Interruptions*)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): राजीव गांधी जी ने इतना पैसा दिया था, उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यों, अभी शून्य प्रहर में नेता प्रतिपक्ष ने बहुत ही गम्भीर विषय उठाया और मैं जान रही हूं कि सभी सदस्य इसको लेकर बहुत व्यथित हैं, चिन्तित हैं और अगर आप नोटिस दें तो हम इस पर एक चर्चा करा लेंगे। मेरे ख्याल से वह ठीक रहेगा।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब रेलवे बजट पर चर्चा शुरू कर लेते हैं। आइटम नम्बर-20 श्री ललित मोहन शुक्लवैद्य।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप नोटिस दे दीजिए, हम जल्दी चर्चा करा लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रेलवे बजट पर चर्चा शुरू हो रही है। अब आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप नोटिस दे दीजिए, हम जल्दी चर्चा करा लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद (सारण): महोदया, आन्दोलन शुरू हो गया है।...(व्यवधान) पूरे देश के लोग मार्च कर रहे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग क्या चाह रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

डॉ. निर्मल खत्री (फ़ैज़ाबाद): महोदया, राजनीतिक मुद्दा कहकर इसे नकारा नहीं जा सकता।...(व्यवधान) यह आस्था का प्रश्न है। यह करोड़ों लोगों की आस्था का प्रश्न है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग चाह क्या रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

डॉ. निर्मल खत्री : महोदया, चर्चा की तारीख निश्चित की जाये।...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : नदी हमारी जीवन धारा है।...(व्यवधान) इस पर आज ही चर्चा होनी चाहिए।...(व्यवधान) यमुना को प्रदूषण से मुक्त करें।...(व्यवधान) इसके लिए अभी सदन में बात कराइये।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): महोदया, पूरे देश के लोग आये हुए हैं।...(व्यवधान)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): महोदया, सरकार इस पर तत्काल निर्णय करे।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम इस पर जल्दी चर्चा करवा देते हैं।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. निर्मल खत्री : कुम्भ के समय में जिस प्रकार गंगा नदी से रास्ता निकाला गया, उसी तरीके से यमुना के लिए भी किया जाए। आप चर्चा की तारीख निश्चित करें। ...(व्यवधान) मंत्री जी यह बयान देकर भाग नहीं सकते कि यह राजनैतिक मुद्दा है। ...(व्यवधान) इसका हल निकलना चाहिए और आप चर्चा की तारीख निश्चित करें। इस पर चर्चा हो और इसका रास्ता अविलम्ब निकले। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : देखिए, यमुना को लेकर ब्रज से और मथुरा से लोग उद्वेलित होकर यहाँ आए हैं। अभी कुछ ही दिन पूर्व गंगा पर चर्चा हुई थी। ये दोनों नदियाँ हमारे देश की जीवनदायिनी नदियाँ हैं। हमारा देश कृषि प्रधान देश है। किसान भी इससे जुड़ा हुआ है, साधारण जनता इससे जुड़ी हुई है। हमारी आस्थाएँ इससे जुड़ी हैं, और आस्थाएँ सिर्फ किसी धर्म की नहीं हैं। हर धर्म के लोगों की आस्था और विश्वास इससे जुड़ा हुआ है। आज मैं समझती हूँ कि जो लोग यहाँ आए हैं और आंदोलन चला रहे हैं, हमारा सदन उनको एक स्वर में आश्वस्त करे कि हम सदन में उनके साथ हैं। एक स्वर में उनके पास यह बात पहुँचे। मैं सदन की भावना देख रही हूँ - नेता प्रतिपक्ष बोली हैं और इधर सत्तापक्ष से हमारी मंत्री बोली हैं, आप लोग बोले हैं। सबने अपने को इससे संबद्ध किया है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हाँ, ठीक है। आप भी बोले हैं, सब बोले हैं। मैं चाहती हूँ कि इस सदन की जो अनुगूँज है, इस सदन का जो समवेत् स्वर है, यह बहुत सशक्त होकर बाहर सब तक पहुँचे और इसका प्रभाव ऐसा पड़े कि जल्दी हमारी ये दोनों नदियाँ प्रदूषण विहीन हो जाएँ, ऐसा हमारा यहाँ संकल्प है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : सदन का संकल्प हो गया है। आप बैठ जाइए।

अब हम रेलवे बजट लेते हैं। श्री ललित मोहन शुक्ल वैद्य।